Gyanshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2020 GISRRJ | Volume 3 | Issue 3 | ISSN : 2582-0095

माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों में लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास का अध्ययन

मनोज कुमार,
शोधकर्त्ता,
एम.ए., एम.एड्., नेट, शोध–छात्र (शिक्षाशास्त्र)
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश।
डॉ0 रेखा शुक्ला
शोध निर्देशिका, विभागाध्यक्ष (शिक्षा संकाय)
हण्डिया पी0जी0 कालेज, हण्डिया, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

Article Info
Volume 3 Issue 3
Page Number : 87-92

Publication Issue :
May-June-2020

Article History
Accepted : 20 June 2020
Published : 30 June 2020

सारांश – अध्ययन के माध्यम से माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों में लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास का अध्ययन किया गया है। अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान शोध विधि का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में जनसंख्या के रूप में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को जनसंख्या माना गया है। न्यादर्श के रूप में 100 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्शन विधि से किया गया जिसमें कक्षा–9 के 50 छात्र एवं कक्षा–10 के 50 छात्रों को चयनित किया गया। छात्रों में लोकतांत्रिक विकास का अध्ययन करने के लिए स्वनिर्मित लोकतांत्रिक मूल्य मापनी का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में विश्लेषण हेतु प्रतिशत विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। प्राप्त अध्ययनों से ज्ञात होता है कि कक्षा–10 के छात्रों में लोकतांत्रिक मूल्य के अन्तर्गत लोगों की जरूरत पर सहयोग, मित्रों का सम्मान, समूहों में लिये जाने वाले निर्णयों का सम्मान, धर्म–निरपेक्षता की भावना, सभी धर्मों का सम्मान, खेल भावना, मित्रों की आवश्यकता पड़ने पर मदद, राष्ट्र गान के समय एवं राष्ट्रगीत के समय आदरभाव एवं सम्मान के साथ गायन, शिक्षकों का सम्मान एवं उनके बातों का अनुसरण, सभी के बातों को सम्मान, गरीबों एवं असहाय लोगों के प्रति दुःखी होना, धैर्यता, सभी के अधिकारों को समझना के साथ मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूकता कक्षा–9 के छात्रों की अपेक्षा उच्च पाया गया। अतः कहा जा सकता है कि उम्र के साथ बच्चों में लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास होता है।

की–वर्ड – माध्यमिक विद्यालय, छात्र, लोकतांत्रिक मूल्य–स्वतंत्रता, समानता, समता, धर्म–निरपेक्षता, सहयोग इत्यादि।

Copyright : © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

प्रस्तावना–लोकतांत्रिक मूल्यों के रूप में प्रमुख रूप से स्वतंत्रता, समानता, न्याय, बन्धुता आदि मूल्यों को लिया जा सकता है। इन लोकतांत्रिक मूल्यों के द्वारा शिक्षा का विकास सरलता से एवं सही दिशा में किया जा सकता है। लोकतांत्रिक मूल्यों के द्वारा ही समाज के सभी वर्गों तक शिक्षा को कम समय, कम खर्च, कम श्रम के द्वारा पहुँचाया जा सकता है।

प्रत्येक कार्य का कोई कारण अवश्य होता है क्योंकि कारण के अभाव में कार्य प्रकट नहीं होता है। जब तक किसी कार्य के मूल कारण का सम्यक् ज्ञान न हो, उसके सम्बन्ध में कोई न्याय संगत निर्णय नहीं लिया जा सकता। जीवन के विविध स्रोतों; यथा– सामाजिक, आर्थिक, साहित्यिक, राजनीतिक, शिक्षा आदि कोई भी क्षेत्र हो, आज युवा समस्याओं से घिरा है। आज हमारे देश को जातिवाद, साम्प्रदायिकता, क्षेत्रवाद, छुआछुत जैसी कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इससे देश की एकता, अखण्डता साथ ही साथ देश के एक आम नागरिक की स्वतंत्रता तथा उसके अधिकार भी खतरे में पड़ गये हैं। देश की एकता, अखण्डता तथा सभी नागरिकों की स्वतंत्रता, समानता को बनाये रखना हमारे संविधान का उद्देश्य है। लोकतंत्र और पंथनिरपेक्षता हमारे भारतीय गणराज्य के प्रमुख आधार स्तम्भ है। हमारे देश में अधिकांश छात्रों के लिए माध्यमिक शिक्षा, शिक्षा की अन्तिम सीढ़ी है। बहुत से बालक माध्यमिक शिक्षा के बाद पढ़ाई बन्द कर देते हैं। ऐसे बालक जब किसी व्यवसाय में पदार्पण करते हैं तो वहाँ उनकी माध्यमिक शिक्षा उन्हें किसी प्रकार का लाभ नहीं पहुँचाती है। ऐसे में आवश्यक है कि उन छात्रों को विद्यालयी जीवन के दौरान मूल्य परक शिक्षा प्रदान की जाय जिससे आने वाले जीवन में वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके। प्रस्तुत अध्ययन हमारे समाज की भयावह एवं ज्वलंत समस्या से संबंधित है। आज हमारे समाज में जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के आधार पर संकीर्ण मनोवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। ऐसे में हमारे देश की गंगा यमुनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए समाज द्वारा लोकतंत्रात्मक तथा पंथनिरपेक्ष दृष्टि को अपनाया जाना जरूरी हो गया है।

समस्या कथन–

''माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों में लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास का अध्ययन।''

अध्ययन का उद्देश्य–

अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्यों का अध्ययन किया गया है–

1. माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों में लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों में लोकतांत्रिक मूल्यों के अन्तर्गत समानता, समता, स्वतंत्रता, सहयोग, धर्मनिरपेक्षता आदि विकास का अध्ययन करना।

शोध–प्रविधि– अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान शोध विधि का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में जनसंख्या के रूप में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को जनसंख्या माना गया है। न्यादर्श के रूप में 100 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्शन विधि से किया गया जिसमें कक्षा–9 के 50 छात्र एवं कक्षा–10 के 50 छात्रों को चयनित किया गया। छात्रों में लोकतांत्रिक विकास का अध्ययन करने के लिए स्वनिर्मित लोकतांत्रिक मूल्य मापनी का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में विश्लेषण हेतु प्रतिशत विश्लेषण का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

1. माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों में लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास का अध्ययन–

लोकतांत्रिक मूल्य मापनी

क्र0 सं0	कथन	कक्षा	हमेशा	प्रायः	कभी–कभी	बहुत कम	कभी नहीं
1.	आप जरूरत पड़ने पर लोगों का सहयोग करते हैं।	कक्षा–9	36.00%	34.00%	17.00%	13.00%	0.00%
		कक्षा–10	57.00%	38.00%	4.00%	1.00%	0.00%
2.	आप अपने मित्रों का सम्मान करते हैं।	कक्षा–9	39.00%	29.00%	19.00%	13.00%	0.00%
		कक्षा–10	61.00%	34.00%	3.00%	2.00%	0.00%
3.	आप अपने समूह के द्वारा लिए गये निर्णय को स्वीकार करते हैं।	कक्षा–9	14.00%	28.00%	28.00%	16.00%	14.00%
		कक्षा–10	41.00%	31.00%	20.00%	6.00%	2.00%
4.	आप जाति–पात में विश्वास नहीं करते हैं।	कक्षा–9	20.00%	34.00%	18.00%	12.00%	16.00%
		कक्षा–10	47.00%	36.00%	7.00%	7.00%	3.00%
5.	आप सभी धर्मों का सम्मान करते हैं।	कक्षा–9	49.00%	26.00%	21.00%	4.00%	0.00%
		कक्षा–10	76.00%	21.00%	0.00%	3.00%	0.00%
7.	आप खेल के मैदान में अपने मित्रों के साथ खेल भावना से खेलते हैं।	कक्षा–9	20.00%	26.00%	24.00%	18.00%	12.00%
		कक्षा–10	52.00%	31.00%	7.00%	7.00%	3.00%
8.	अपने मित्रों की आवश्यकता पड़ने पर मदद करते हैं।	कक्षा–9	27.00%	22.00%	25.00%	18.00%	8.00%
		कक्षा–10	56.00%	30.00%	4.00%	8.00%	2.00%
10.	आप राष्ट्र गान के	कक्षा–9	61.00%	14.00%	14.00%	11.00%	0.00%

क्र0 सं0	कथन	कक्षा	हमेशा	प्रायः	कभी–कभी	बहुत कम	कभी नहीं
	समय एवं राष्ट्रगीत के समय अपने स्थान पर खड़े हो जाते हैं।						
		कक्षा–10	86.00%	14.00%	0.00%	0.00%	0.00%
11.	आप शिक्षकों का सम्मान करते हैं एवं उनकी बातों का अनुसरण करते हैं।	कक्षा–9	33.00%	36.00%	17.00%	14.00%	0.00%
		कक्षा–10	51.00%	37.00%	12.00%	0.00%	0.00%
13.	आप हर जगह अपनी बात मनवाने की कोशिश करते हैं।	कक्षा–9	31.00%	34.00%	28.00%	7.00%	0.00%
		कक्षा–10	17.00%	13.00%	30.00%	17.00%	23.00%
15	गरीबों एवं असहाय लोगों के प्रति आप दुःखी होते हैं।	कक्षा–9	27.00%	30.00%	23.00%	18.00%	2.00%
		कक्षा–10	40.00%	37.00%	13.00%	8.00%	2.00%
18	आप सामने वालों की बातों को धैर्य से सुनते हैं और सम्मान करते हैं।	कक्षा–9	21.00%	17.00%	40.00%	14.00%	8.00%
		कक्षा–10	41.00%	27.00%	30.00%	2.00%	0.00%
19	आप मानते हैं कि इस देश में सबके अधिकार समान है।	कक्षा–9	20.00%	21.00%	19.00%	23.00%	17.00%
		कक्षा–10	53.00%	32.00%	10.00%	3.00%	2.00%
20	आप मौलिक अधिकरों के प्रति जागरूक है।	कक्षा–9	21.00%	22.00%	37.00%	11.00%	9.00%
		कक्षा–10	32.00%	21.00%	21.00%	17.00%	9.00%

1. कक्षा–9 के छात्रों 70% छात्रों द्वारा जबकि कक्षा–10 के छात्रों द्वारा 95% छात्रों द्वारा लोगों की जरूरत पर सहयोग करते हैं।
2. 68% कक्षा–9 के छात्रों द्वारा मित्रों का सम्मान किया जबकि कक्षा–10 के छात्रों द्वारा 95% छात्रों द्वारा मित्रों का सम्मान करते हैं।
3. कक्षा–9 के छात्रों द्वारा 42% छात्रों द्वारा तथा कक्षा–10 के 82% छात्रों द्वारा समूहों में लिये जाने वाले निर्णयों का सम्मान करते हैं।
4. कक्षा–9 के 54% छात्रों एवं कक्षा–10 के 83% छात्रों द्वारा जाति–पात में विश्वास नहीं किया जाता है।
5. कक्षा–9 के 75% छात्रों द्वारा सभी धर्मों का सम्मान किया जाता है जबकि कक्षा–10 के 76% हमेशा एवं 21% प्रायः सभी धर्मों का सम्मान किया जाता है।
6. कक्षा–9 के छात्रों द्वारा 46% खेल भावना से खेलते हैं जबकि कक्षा–10 के 83% छात्रों द्वारा खेल के मैदान में अपने मित्रों के साथ खेल भावना से खेलते हैं।
7. कक्षा–9 के 47% छात्रों द्वारा अपने मित्रों की आवश्यकता पड़ने पर मदद करते हैं जबकि कक्षा–10 के 86% छात्रों द्वारा।
8. कक्षा–9 के 75% छात्रों जबकि कक्षा–10 के 100% छात्रों द्वारा राष्ट्र गान के समय एवं राष्ट्रगीत के समय अपने स्थान पर खड़े हो जाते हैं।
9. कक्षा–9 के 69% छात्रों द्वारा शिक्षकों का सम्मान एवं उनके बातों का अनुसरण करते है जबकि कक्षा–10 के 88% छात्र शिक्षकों का सम्मान एवं उनके बातों का अनुसरण करते हैं।
10. कक्षा–9 के 31% छात्र हमेशा तथा 34% छात्र प्रायः कुल 65% छात्र हर जगह अपनी बात मनवाने की कोशिश करते हैं जबकि कक्षा–10 के 17% छात्र हमेशा तथा 13% प्रायः कुल 30% छात्र हर जगह अपनी बात मनवाने की कोशिश करते हैं।
11. कक्षा–9 के 27% छात्र हमेशा तथा 30% प्रायः अर्थात् कुल 57% छात्र गरीबों एवं असहाय लोगों के प्रति दुःखी होते हैं जबकि कक्षा–10 के छात्रों द्वारा 40% हमेशा तथा 37% प्रायः गरीबों एवं असहाय लोगों के प्रति दुःखी होते हैं।
12. कक्षा–9 के 21% छात्र हमेशा एवं 17% प्रायः कुल 38% छात्र अपने सामने वालों की बातों को धैर्य से सुनते हैं और सम्मान करते हैं जबकि कक्षा–10 के 41% हमेशा तथा 27% प्रायः कुल 68% छात्र अपने सामने वालों की बातों को धैर्य से सुनते हैं और सम्मान करते हैं।
13. कक्षा–9 के 20% हमेशा एवं 21% प्रायः कुल 41% छात्रों द्वारा देश में सबके अधिकार को समान मानते हैं जबकि कक्षा–10 के छात्रों द्वारा 53% हमेशा एवं 32% प्रायः कुल 85% छात्र मानते हैं कि इस देश में सबके अधिकार समान है।
14. मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूकता के संदर्भ में कक्षा–9 के छात्रों द्वारा 21% हमेशा तथा 22% प्रायः कुल 43% छात्र जागरूक है जबकि कक्षा–10 के 32% हमेशा एवं 21% प्रायः कुल 53% छात्र मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक है।

निष्कर्ष– प्राप्त अध्ययनों से ज्ञात होता है कि कक्षा–10 के छात्रों में लोकतांत्रिक मूल्य के अन्तर्गत लोगों की जरूरत पर सहयोग, मित्रों का सम्मान, समूहों में लिये जाने वाले निर्णयों का सम्मान, धर्म–निरपेक्षता की भावना, सभी धर्मों का सम्मान, खेल भावना, मित्रों की आवश्यकता पड़ने पर मदद, राष्ट्र गान के समय एवं राष्ट्रगीत के समय आदरभाव एवं सम्मान के साथ गायन, शिक्षकों का सम्मान एवं उनके बातों का अनुसरण, सभी के बातों को सम्मान, गरीबों एवं असहाय लोगों के प्रति दुःखी होना, धैर्यता, सभी के अधिकारों को समझना के साथ मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूकता कक्षा–9 के छात्रों की अपेक्षा उच्च पाया गया। अतः कहा जा सकता है कि उम्र के साथ बच्चों में लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास होता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- चौधरी, फूलचन्द्र (2013). ''माध्यमिक स्तर एवं उच्च स्तर के कला वर्ग एवं विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं में जीवन मूल्यों की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन'', अप्रकाशित लघुशोध प्रबन्ध, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर।
- शर्मा, अशोक एवं गुप्ता, प्रतिभा (2018). विद्यालय एवं पारिवारिक परिवेश के सन्दर्भ में विद्यार्थियों के नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय भावना का अध्ययन, *लोकविशेकर इण्टरनेशनल ई–जर्नल*, वॉल्यूम–7, इश्शू–01, पृ0 25–30
- सिंह, प्रियंका (2017). शिक्षा आधुनिकीकरण के साधन यंत्र के रूप में, *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ एकेडमिक रिसर्च एण्ड डेवेलपमेण्ट*, वॉ0 2, इश्शू–4, पृ0 784–786
- सिंह, रजनी रंजन एवं नामदेव, हेमन्त (2015). शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के संदर्भ में विशेष बाल श्रमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति पर अध्ययन, *परिप्रेक्ष्य, शैक्षिक योजना और प्रशासन का सामाजिक–आर्थिक संदर्भ*, वर्ष 22, अंक 3, दिसंबर 2015
- सिंह, ओंकार (2010). मूल्य संवर्द्धन में विद्यालयों की भूमिका, *मूल्य विमर्श*, वर्ष–5, अंक–10 जुलाई, 2010, मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र, वाराणसी, पृ0 26–28